गोडसे @ गाँधी. कॉम (नाटक)

नाट्यालेख: असग़र वजाहत

परिकल्पना, संपादन एवं निर्देशन

नितप्रिया प्रलय, आशीष कुमार

दीक्षांत समारोह- 2018 की पूर्व संध्या पर

दिनांक: 14 अक्टूबर, 2018

समय: शाम 6:30 बजे

अवधि: 30 मिनट

स्थान: महावीर प्रसाद द्विवेदी सभा मंडप

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

मंच पर

मोहनदास करमचंद गाँधी: प्रवीण कुमार पाण्डेय
जेलर: महीपाल त्रिपाठी
नथूराम गोडसे: सर्वेश कुमार मणि
करकरे: दीपक कुमार
नाना आप्टे : तारकेश्वर प्रसाद
रिपोर्टर: भूषण भोयर
कस्तूरबा: नितप्रिया प्रलय
प्यारेलाल: आशीष कुमार
बावनदास: अजय राज
हवलदार1 : दीपा
हवलदार 2: मयूर आनंद चिकटे

मंच परे

उद्घोषक: हर्षित मणि त्रिपाठी
प्रकाश संयोजन : राजू बावने, शिव कुमार
ध्वनि संयोजन : पीयूष मंढरे
वस्त्र-सज्जा: दीपा
रूप-सज्जा : सुनीता थापा
प्रस्तुति-प्रबंधक: राकेश विश्वकर्मा, नीरज कुमार
नाट्यालेख: असग़र वजाहत
निर्देशक: नितप्रिया प्रलय, आशीष कुमार
सहायक निर्देशक: अर्पित राज
सहायक: सुनील कुमार, जिगर चौधरी
मंच सज्जा: धर्मराज

नाटक के बारे में

प्रस्तुत नाटक एक काल्पनिक घटना पर आधारित है जो नथूराम गोडसे द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को गोली मारने के साथ शुरू होतीहै। बापू उसकी गोली से मरते नहीं बल्कि होश में आने पर वो सबसे पहले गोडसे के बारे में जानना चाहते हैं। वो कुछ समय बाद वर्तमान भारतीय सरकार से गोडसे से जेल में मिलने की अनुमति मांगते हैं। लेकिन उनकी जान को गोडसे से खतरा है कहकर उन्हें रोकने की कोशिश की जाती है। अपनी मांग को लेकर गाँधी अनशन पर बैठ जाते हैं और अंततः सरकार को झुकना पड़ता है। गाँधी गोडसे से मिलने उसके वार्ड में पहुँचते हैं।

असग़र वजाहत के मौलिक नाट्यलेखों की परंपरा में "गोडसे @ गाँधी. कॉम" एक अत्यंत महत्वपूर्ण नाटक है। यह नाटक बड़े फ़लक पर गाँधीवाद को परिभाषित और व्याख्यायित करते हुए उसकी संपूर्ण संभावनाओं तथा सीमाओं पर सार्थक प्रश्न उठाता है। इसमें वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था का सतर्क रचनात्मक विश्लेषण किया गया है। उदार हिंदुत्व बनाम कट्टर हिंदुत्व की बहस का इस नाटक में एक नया आयाम दिखता मिलता है।

विशेष आभार

प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म. गां. अं. हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
प्रो. आनंद बर्धन शर्मा, प्रतिकुलपति, म. गां. अं. हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, कुलसचिव, म. गां. अं. हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
डॉ. सतीश पावड़े, अध्यक्ष, प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं रंगमंच)